

N.4: RRCAT family wishes happy and healthy lives on superannuation



Shri A M Kekre: Shri Kekre joined Department of Atomic Energy at BARC in September 1971, after graduation from IIT, Bombay and worked in Reactor Engineering Division, as In charge of Electrical Group till 1985. In August 1986, he was transferred to Construction

group, RRCAT and he served in various capacities viz. Engineer-in-Charge (Elect.& AC) and Superintending Engineer (Elect. & AC). In 1998, he took over as Chief Engineer and Head of Construction and Services Division. He also served as member of various important committees of RRCAT and was instrumental in overall infrastructural development of RRCAT.

After serving the department for a long period of 39 years, Shri Kekre retired on superannuation on 30.04.2010.



Shri A K Jain: Shri Arvind kumar Jain graduated in Mechanical Engineering from Jiwaji University Gwalior, in 1973 and joined Central workshop, a division of BARC on February 16, 1974. Shri A.K. Jain worked for 12 years in Heavy Machine Shop, Inspection and

Maintenance Section and was involved in the space shuttle experiment ANURADHA for TIFR, Material and personnel air locks for MAPP and NAPP, Fuelling machine heads for MAPP and NAPP, Machining of Calandria for R-5 (Dhruva) reactor, Fabrication of 330 tons magnet for MHD project. In September 1986, he was transferred to RRCAT and he became one of the founder members to setup RRCAT workshop. Shri Jain headed the manufacturing team for the fabrication of various important jobs like Septum Magnet, Dipole vacuum chambers, Straight vacuum chambers, for INDUS-2, and RF cavities for 8 and 20 MeV Microtron, for Indus -1. The fabrication of vacuum chambers for CTF- 3 CERN & SCRf cavity for Fermi Lab, USA were carried out in his dynamic leadership. Shri A.K. Jain was

awarded with three group achievement awards for his contributions. He laid down his office on superannuation on 30.06.2010.



Shri D K Joshi: Shri D.K.Joshi, working in Beam Diagnostics Section of Accelerator Controls and Beam Diagnostics Division, retired on superannuation on 30th June, 2010 after serving for more than 35 years in DAE. Shri Joshi joined Chemistry Division of BARC in March, 1975

and was transferred to RRCAT in June 1987. He joined Beam Diagnostics Laboratory of Accelerator Programme. He made valuable contribution in the design and development of diagnostic devices of booster synchrotron and Indus-1; diagnostics beam line of Indus-1 and sighting beam line of Indus-2.

N.5. : राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र द्वारा माह जनवरी, 2010 से जून, 2010 तक आयोजित हिन्दी की विभिन्न गतिविधियाँ

विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन : राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर की राजभाषा क्रियान्वयन समिति के तत्वावधान में दिनांक 10 जनवरी, 2010 को अवकाश होने के कारण दिनांक 11.01.2010 को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि हरी मधुकर पवार, मीडिया एवं संचार अधिकारी, पत्र सूचना कार्यालय में 'सूचना प्रौद्योगिकी में हिन्दी' विषय पर और डॉ. ललित मोहन कुकरेजा, परमुख, लेसर पदार्थ संसाधन प्रभाग, आरआरकेट ने 'हमारा ब्रह्माण्ड' विषय पर व्याख्यान दिए। इस अवसर पर वर्ष 2009 में हिन्दी दिवस पर आयोजित कुल 14 हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

हास्य-व्यंग्य समारोह का आयोजन : कॉलोनी स्थित कम्प्युनिटी सेन्टर में 'होली' की पूर्व संध्या पर हास्य-व्यंग्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 13 अतिथियों ने अपनी उच्च स्तरीय रचनाएँ प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को हँसने पर मजबूर कर दिया। अतिथि कवयित्री श्रीमती ज्योति जैन ने होली के गीत सुनाकर माहौल को रंग-बिरंगा बना दिया और अंत में

आरआरकेट के निदेशक महोदय डॉ. पी. डी. गुप्ता ने श्रीमती जैन और अन्य सभी कवियों की तारीफ की।

हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन : छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर ग्रुप 'डी' में आए कर्मचारियों के लिए 26 मार्च 2010 तक एक पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 32 कर्मचारियों (परिचालक/हेल्पर/सुरक्षा गार्डों/माली) को संघ की राजभाषा नीति, व्याकरण, शब्दावली, पत्राचार, सामान्य सुरक्षा, अनुशासन प्रणाली, सामान्य स्वास्थ्य, ऊर्जा विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसी प्रकार दिनांक 08 जून, 2010 को बीएआरसी प्रशिक्षण विद्यालय, आरआरकेट के कुल 22 प्रशिक्षणार्थी वैज्ञानिक अधिकारियों (TSOs) के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्र के निदेशक डॉ. पी. डी. गुप्ता उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी कार्यशाला का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थी और व्याख्याताओं के बीच संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से वैज्ञानिक व तकनीकी गतिविधियों को हिन्दी में संचालित करने से निश्चित रूप से सभी का आत्मविश्वास बढ़ेगा। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने इस प्रकार की हिन्दी कार्यशालाओं के निरन्तर आयोजन का सुझाव दिया तथा अपना सरकारी काम हिन्दी में करने का आश्वासन दिया।

'जैव चिकित्सा में लेसर का उपयोग' विषय पर एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी : वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन आरआरकेट के मुख्य सभागृह में दिनांक 30 मार्च, 2010 को किया गया जिसमें केन्द्र के वैज्ञानिकों ने कैंसर निदान हेतु पारदर्शिक स्टेटोस्कोप, प्रकाश सिटी स्केन का प्रदूषण

प्रकाश वाली माइक्रोस्कोपी वस्तुओं का परिचालन, कैंसर के उपचार एवं जीवाणु उन्नति संक्रमण के लिए प्रकाश का उपयोग विवर्तन सीमा से परे प्रतिबिम्ब तथा नैनो-कणों के जैव चिकित्सा, अनुप्रयोग विषयों पर व्याख्यान दिए गए। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. पी. के. गुप्ता, प्रमुख, एलबीआईडी थे एवं संगोष्ठी की सत्र अधिवक्ता श्री एच. एस. वारा, वैज्ञानिक अधिकारी, एलएसईडी, आरआरकेट ने की। संगोष्ठी में केन्द्र के लगभग 200 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 51वीं बैठक : इन्दौर स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं आरआरकेट के निदेशक डॉ. पी. डी. गुप्ता की अध्यक्षता में 51 वीं छमाही समीक्षा बैठक का आयोजन दिनांक 23 अप्रैल, 2010 को पत्र सूचना कार्यालय, इन्दौर स्थित सभाकक्ष में किया गया। इस बैठक में मेजबान कार्यालय प्रमुख, श्री मधुकर पवार, मीडिया एवं संचार अधिकारी, श्री जोगिन्दर सिंह, माननीय न्यायिक सदस्य अपीली अधिकरण तथा डॉ. बी. एन. पाण्डेय, उप निदेशक (कार्यान्वयन) एवं कार्यालय अध्यक्ष, राजभाषा विभाग, भोपाल सहित सदस्य कार्यालयों के कुल 58 प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर 'दिशा' के 5 वें अंक तथा आरआरकेट की गृह पत्रिका 'प्रगति' के 22 वें अंक का लोकार्पण क्रमशः अध्यक्ष डॉ. पी. डी. गुप्ता और आयकर अपीलीय अधिकरण के माननीय न्यायिक सदस्य श्री जोगिन्दर सिंह के द्वारा किया गया।

प्रस्तुतकर्ता : जय नारायण सोनी
Email : jnsoni@rrcat.gov.in



‘जैव चिकित्सा में लेसर का उपयोग’ विषय पर आयोजित वैज्ञानिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि (बीच में) डॉ. पी. के. गुप्ता, प्रमुख एलएमडीडीडी, बायीं ओर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री आर. पी. आचार्य तथा दायीं ओर श्रीमती रेखा रायकर कुमार, संयुक्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा), आरआरकेट



प्रशिक्षणार्थी वैज्ञानिक अधिकारियों के लिए दिनांक 08.06.2010 को आयोजित एक पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं निदेशक आरआरकेट प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।